an>

Title: Need to take steps to revive dams and canals in Bundelkhand region.

श्री आर. के. सिंह पटेल (बांदा): महोदय, उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के जनपद बांदा, चित्रकूट, महोबा, हमीरपुर, झांसी, ललितपुर में फसलों की सिंचाई हेतु पूर्व में बांध/बंधियाँ बनाई गई हैं, किन्तु उन बांध/बंधियों का जीर्णोधार न होने से उन बांध/बंधियों में भरा पानी बरसात में आता है, वह पानी सीपेज होकर बह जाता है, जिससे किसानों की सिंचाई नहीं हो पाती है। सिल्ट जमा होने से बांधों की सिंचन क्षमता कम हो गई है।

महोदय, मेरे बांदा और चित्रकूट जनपद के ओहन, बरदहा, बरुवा बांधों की सिल्ट/गोंद निकालकर, उनका जीर्णोधार कर कायाकल्प किया जाना आवश्यक है तथा रसिन बांध से बरुवा बांध लिंक नहर बनाकर जोड़ा जाना आवश्यक है। मानिकपुर क्षेत्र के पाठा क्षेत्र में 16 छोटी-छोटी सिंचाई की बंधियाँ बनी हुई हैं, जिनका सीपेज रोककर मरम्मत किया जाना आवश्यक है। बांदा जिले में कई छोटे-छोटे बांध हैं, जिनकी गोंद निकालकर सीपेज क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। साथ ही यमुना नदी से चित्रकूट जिले में एक बड़ी पम्प कैनाल निकालकर चित्रकूट जिले की सिंचाई कराए जाने की आवश्यकता है। पैस्वनी नदी में जो बनकट पम्प कैनाल है, वहाँ तक यमुना नदी का पानी जोड़कर सिंचाई करने की आवश्यकता है।

महोदय, बांदा जिले में केन नहर बहुत पुरानी नहर प्रणाली है, मैं उसका पुनरुद्धार करके सिंचाई क्षमता में वृद्धि किये जाने की माँग करता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।